शब्दार्थ एवं टिप्पणी

सहचर – साथ चलने या रहने वाला, साथी, अनुचर, सेवक

दुरभिसंधि – बुरे उद्देश्य से की गई गुप्त मंत्रणा, कुचक्र

गेटे – विश्वविख्यात जर्मन कवि, उपन्यासकार, नाटककार, दार्शनिक एवं कूटनीतिज्ञ

अभिभूत – वश में किया हुआ, आक्रांत, पीड़ित, पराजित

यंत्रणा– यातना, पीड़ा, क्लेश

हैरतअंगेज़– विस्मयजनक

दंतकथा – किवदंती, जनश्रुति

मिथक – प्राचीन पुराकथाओं का तत्व जो नवीन स्थितियों में नए अर्थ का वहन करे

भग्नावशेष – खंडहर

भित्तिचित्र – दीवार पर बना हुआ चित्र

अभिलिखित – लिखा या खोदा हुआ, नियमित रूप से लिखकर सुरक्षित रखा हुआ, अभिलेख के रूप में लाया हुआ

भाष्यकार – मूल ग्रंथ की व्याख्या करने वाला, भाष्य लिखनेवाला

सामंजस्य – संगति, अनुकूलता, विषमता न होना, मेल

शाश्वत – नित्य, निरंतर, सतत, स्थायी

निरंतरता –लगातार, बराबर, सर्वदा

विलक्षणता – अलौकिक, असाधारण, भिन्न चिह्नों वाला, जिसमें कोई विशेष लक्षण न हो, वह अवस्था जिसका कोई कारण न हो

सार्थक – अर्थपूर्ण, उपयोगी, लाभदायक, महत्त्वपूर्ण

अनिष्टकर – हानिकारक

पुरागाथा – प्राचीन प्रशंसा गीत या कथाएँ

सीमांत – सीमावर्ती स्थान

मानकीकरण – किसी वस्तु के उत्पादन, निर्माण आदि का ऐसा रूप स्थिर करना जिससे उसकी अच्छाई या शुद्धता आदि के संबंध में संदेह की जगह न रह जाए

अवयव – शरीर या शरीर का कोई भाग(हाथ–पाँव आदि), अंग

अवसाद – सुस्ती, शिथिलता, उदासी

उद्‌घाटित – खोला, उघाड़ा हुआ

नवागंतुक – नया अतिथि, अजनबी

© NCERT not to be republished

कबीले – कुल, वंश, जंगली आदमियों का व्यक्ति विशेष को नेता या सरदार मानने वाला समूह

मैक्समूलर – जर्मनी में जन्मे प्राच्य विधा विशेषज्ञ जिसने प्राचीन भारतीय धर्मग्रंथों के अनुवाद-संपादन का कार्य किया

हर्षोन्माद – हर्ष में सुध-बुध खो देना

भौतिकवाद – (मैटीरियालिज़्म)पंचभूत निर्मित यह संसार ही सत्य है–यह सिद्धांत प्रतिपादित करने वाला मत

अवेस्ता – फ़ारसी भाषा में इसका अर्थ 'प्रार्थना' है। अवेस्ता जरथुष्ट्र धर्म की प्राथमिक रचना है

ब्राह्मी – वह प्राचीन लिपि जिससे देवनागरी और अन्य आधुनिक भारतीय लिपियों की उत्पत्ति हुई

खरोष्टी (खरोष्ठी) – एक प्राचीन लिपि जो फ़ारसी की तरह दाएँ से बाएँ लिखी जाती थी और मौर्यकाल में पश्चिमोत्तर भारत में चलती थी।

पर्सिपोलिस – प्राचीन काल के शक्तिशाली पारसिक साम्राज्य की राजधानी जो आधुनिक ईरान में स्थित है

एच. जी. वेल्स – विज्ञान-कथा उपन्यासों के प्रसिद्ध अंग्रेज़ लेखक। इन्हें ऐसे उपन्यासों का पिता भी कहा जाता है।

ऑक्सस (अक्षु) नदी – अमूदरिया के नाम से भी प्रसिद्ध यह नदी दक्षिण-पश्चिम एशिया की सबसे लंबी नदी है। यह नदी अफ़गानिस्तान, तज़ाकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान व उज़्बेकिस्तान जैसे देशों में बहती है।

यूइ-चियों – यूची मध्य एशिया के हरित मैदानों के खानाबदोश लोग थे जो चीन के पड़ोस में रहते थे। भारत में शासन करने वाले कुषाण यूइ-चियों के ही एक कुल से संबंधित थे।

ज़रथुष्ट्र धर्म - इसे पारसी धर्म के नाम से भी जाना जाता है। ईरान में उद्भूत इस धर्म के पैगंबर जरथुष्ट्र थे।

गोबी रेगिस्तान – एशिया का सबसे बड़ा रेगिस्तान जो चीन और मंगोलिया में फैला हुआ है।

जावा और बाली – जावा और बाली इंडोनेशिया के द्वीप हैं। जावा में प्राचीन काल में हिंदू राज्य था। बाली भी हिंदू संस्कृति का केंद्र था।

अंगकोर और बोरोबुदुर – कंपूचिया में अंकोरवाट का हिंदू मन्दिर और बोरोबुदुर में विश्व का सबसे बड़ा बौद्ध मंदिर है। ये दक्षिण-पूर्व एशिया पर भारतीय संस्कृति के प्रभाव के सुंदर उदाहरण हैं।

मलय प्रायद्वीप – (मलाया) बर्मा के दक्षिण में स्थित एक प्रायद्वीप

चंपा – आधुनिक उत्तरी वियतनाम की सीमा-पट्टी सहित दक्षिणी वियतनाम में प्राचीन काल में चंपा राज्य था। चंपा का राजा शैव था और वहाँ की राजकीय भाषा संस्कृत थी।

© NCERT not to be republished

2020-21

श्रीविजय– श्रीविजय राज्य दक्षिण-पूर्व एशिया का प्राचीन काल का महत्त्वपूर्ण राज्य था। इसमें मलय प्रायद्वीप, जावा, सुमात्रा भी शामिल थे।

निरभ्र – जिसमें बादल न हों, मेघ रहित

आसव – मद्य, रस, पुष्परस, फलादि के खमीर से तैयार किया हुआ अर्क

भस्म – चिता की राख, दवा के काम के लिए फूँकी हुई धातु आदि

हार्वे – विलियम हार्वे ब्रिटिश चिकित्साशास्त्री और शरीर क्रिया वैज्ञानिक थे। इनकी रुधिर परिसंचरण की खोज ने चिकित्साशास्त्र को नया आयाम दिया।

भेषज – दवा, उपचार, आरोग्य लाभ कराने वाला

खगोलशास्त्र – आकाशीय नक्षत्रों, ग्रहों आदि का वर्णन करने वाला विज्ञान

राष्ट्रकूट – क्षत्रिय राजवंश, राठौर

गाथिक कला (यूरोप) – स्थापत्य कला की एक शैली जिसका उद्गम 12वीं सदी के मध्य फ्रांस में हुआ और 16वीं सदी के मध्य तक पश्चिमी यूरोप में विद्यमान थी।

अधिराज – सम्राट

कुस्तुंतुनिया – मध्यकाल में तुर्की साम्राज्य की राजधानी

रोम्यां रोला – प्रसिद्ध फ्रांसीसी लेखक और नाटककार, महात्मा गांधी के जीवनी लेखक

सर्वग्रासी – सब खा जाने वाला, खग्रास ग्रहण

सर्वव्यापी – सर्वव्यापक, सभी जगह व्याप्त

ऊर्जा – बल, कार्य करने की क्षमता, उत्साह

आह्वान – पुकारना, बुलाना, ललकार

अल्पसंख्यक – कम जनसंख्या वाला (समुदाय)

अभिशाप – शाप, किसी का बुरा मनाना, लांछन, मिथ्या आरोप, बुराई

निष्क्रिय – कोई काम-धाम न करने वाला, जो कुछ भी न करे-धरे, जिसमें या जिससे कार्य या व्यापार न हो, क्रियारहित

निवृत्तिमार्गी – मोक्ष या मुक्ति के मार्ग पर चलने वाला

विरासत – उत्तराधिकार में मिलनेवाना माल

सविनय अवज्ञा आंदोलन – अन्यायपूर्ण सरकारी कानून की नम्रतापूर्वक अवमानना के लिए आंदोलन

संरक्षण – रक्षा करने की क्रिया , हिफ़ाज़त

मित्र शक्तियाँ – द्वितीय विश्वयुद्ध में धुरी-राष्ट्रों के विरुद्ध लड़ने वाले देशों का समूह। ब्रिटेन फ्रांस, सोवियत संघ और संयुक्त राज्य अमेरिका इस समूह के बड़े देश थे।

कायाकल्प – शरीर का नया या जवान हो जाना, चोला बदल जाना

लंगरगाह – लंगर करने, जहाज़ों के ठहरने का स्थान

कुंठित – कुंद या भोथरा किया हुआ, निराश

© NCERT not to be republished